Dharmesh nanda, Department of Geography
Govt. Degree College, Bagaha-1 (W. Champaran)

Geography (Hons.)

B.A. Part-1

Paper-II

Topic — Sri Lanka

Dharmesh nanda
Assistant Professor (Guest)
B.R.A Bihar University

श्रीलंका
Sri Lanka

प्रारंभ में श्रीलंका प्रायद्वीपीय भारत की मुख्य भूमि का अंग था। वर्तमान में यह पाक-जलडमरूमध्य द्वारा यह भारत से पृथक है। पाक जलडमरूमध्य खंडित पुल है जो आदम पुल के नाम से विख्यात है।

श्रीलंका रत्नों का द्वीप है। यहां विभिन्न प्रकार के अनेक बहुमूल्य रत्न पाए जाते हैं। अतः आज भी इसे रत्न द्वीप (Isle of Gems) एवं पूर्व का मोती (Pearl of orient) के नाम से पुकारा जाता है। वर्तमान समय में श्रीलंका में निवास करने वालों में सिंहली जाति की जनसंख्या सर्वाधिक है अतः इसे सिंहल द्वीप के नाम से भी जाना जाता है। श्रीलंका का दक्षिणी-मध्य भाग पर्वतीय प्रदेश है। इसी भाग में श्रीलंका का सर्वोच्च शिखर पिदुरतालागाला स्थित है। इसे प्वाइंट पेड्रो (Point Pendro) के नाम से भी जाना जाता है।

इस देश के कुल कृषि योग्य भूमि के 21% भाग पर चाय की कृषि की जाती है। देश के निर्यात व्यापार में सर्वाधिक (60%) योगदान चाय का है। कैंडी का निकटवर्ती भाग चाय उत्पादन का सबसे बड़ा क्षेत्र है। नारियल श्रीलंका की एक मुख्य फसल है। देश की कुल कृषि योग्य भूमि के 25% भाग पर नारियल की कृषि की जाती है।

श्रीलंका का दक्षिणी भाग रत्न भंडारों से भरा पड़ा है। श्रीलंका ग्रेफाइट का एक महत्वपूर्ण उत्पादक देश है। श्रीलंका में जनसंख्या का सर्वाधिक घनत्व दक्षिणी-पश्चिमी तटीय प्रदेश में पाया जाता है। सबसे कम जनसंख्या का घनत्व उत्तरी भाग में पाया जाता है।

इस देश के मध्यवर्ती पहाड़ी प्रदेश में चाय, रबड़ एवं कहवा की बागानी कृषि की जाती है। श्रीलंका के उत्तरी भाग में चूने की चट्टानें पाई जाती हैं। इसी भाग में जाफना प्रायद्वीप स्थित है। यहां तमिल लोग निवास करते हैं। मन्नार की खाड़ी से भी मोती निकाले जाते हैं।

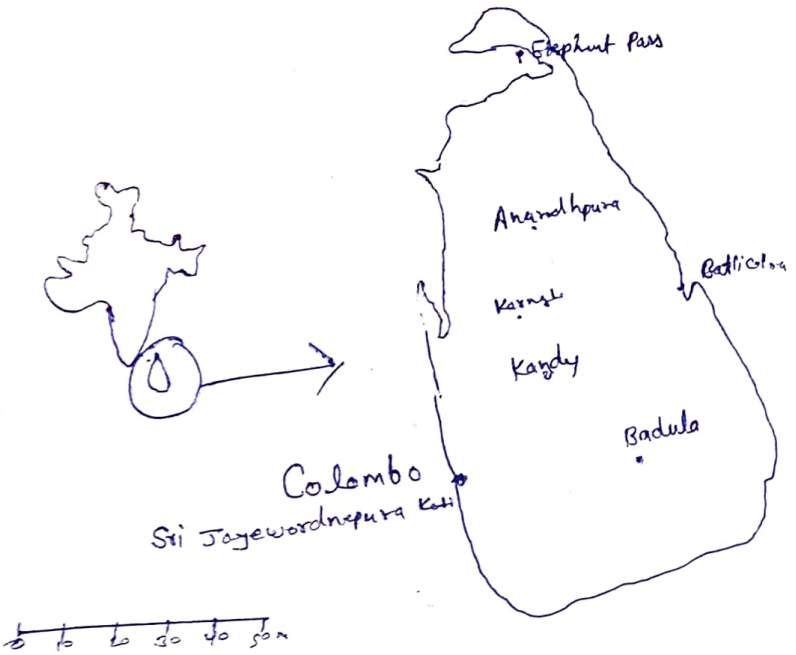

हिन्द महासागर के उत्तरी भाग में स्थित इस द्वीप राष्ट्र की भूमि केन्द्रीय पहाड़ों तथा तटीय मैदानों से मिलकर बनी है। वार्षिक वर्षा 2500 से 5000 मिमी. तक होती है। वजह से यह एक उष्ण कटिबंधीय जलवायु क्षेत्र है। भारतीय उपमहाद्वीप का हिस्सा समझे जाने वाले इस द्वीप को भारत से पाक जलडमरूमध्य अलग करता है। इसका कुल क्षेत्रफल 65,610 वर्ग किलोमीटर है तथा इसकी समुद्रतटीय रेखा 1340 किमी लम्बी है। पिदुरुतलागाला श्रीलंका का सर्वोच्च बिंदु है जिसकी समुद्रतल से ऊंचाई लगभग 2500 मीटर है। यानि एवरेस्ट की ऊंचाई के एक तिहाई से भी कम। आदमपुल (रामसेतु) की तरह श्रीलंका में एक आदम की चोटी भी है जो देश के उत्तर की बजाए दक्षिण में स्थित है। इसे स्थानीय लोग श्रीपाद कहते हैं क्योंकि इसके शिखर के समीप एक 1.5 मीटर की रचना है जिसको बौद्ध लोग भगवान बुद्ध का पदचिन्ह मानते हैं हिन्दू लोग भगवान शिव का पदचिन्ह मानते हैं तो मुस्लिम इसे आदम का।